दीपिका की फिल्म में एसिड फेंकने वाला नदीम से राजेश हो गया

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में हिंसा पीड़ित वाम समर्थक छात्रों से मिलने के लिए पहुँची दीपिका पादुकोण की फिल्म 'छपाक' विवाद में आ गई है #boycottchhapaak ट्विटर पर टॉप ट्रेंड बना हुआ है और लोग दीपिका को ट्रोल कर रहे हैं कि जब एसिड अटैक सर्वाइवर लक्ष्मी अग्रवाल पर नदीम खान नामक शख्स ने तेजाब फेंका था तो उनकी बायॉपिक 'छपाक' में उस कैरेक्टर का नाम बदलकर राजेश क्यों कर दिया गया है। दरअसल, 'छपाक' एसिड अटैक सर्वाइवर लक्ष्मी अग्रवाल की ही कहानी है।

यह मुद्दा भी बन गया कि जब यह फिल्म लक्ष्मी अग्रवाल की जीवनी पर है तो फिर एसिड फेंकने वाले नदीम खान का नाम बदलकर एक हिन्दू के नाम पर क्यों रखा गया। जब यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है तो इस फिल्म में लक्ष्मी अग्रवाल पर एसिड फेंकने वाले शख्स का नाम बदलकर हिंदू नाम क्यों कर दिया गया है।

यह 22 अप्रैल 2005 की बात है। लक्ष्मी दिल्ली के खान मार्केट से गुजर रही थीं तभी नदीम खान ने उन्हें गिरा दिया और चेहरे पर तेजाब फेंक दिया। उस समय लक्ष्मी की उम्र महज 15 साल थी और नदीम ने शादी के लिए प्रपोज किया था, जिसे लक्ष्मी ने ठुकरा दिया था। लक्ष्मी ने उस वाकये को याद करते हुए कहा था, 'जिस तरह से कोई प्लास्टिक पिघलता है, उसी तरह से मेरी चमड़ी पिघल रही थी। मैं सड़क पर चलती हुई गाड़ियों से टकरा रही थी। मुझे अस्पताल ले जाया गया, जहां मैं अपने पिता से लिपट कर रोनी लगी। मेरे गले लगने की वजह से मेरे पिता की शर्ट जल गई थी। मुझे तो पता भी नहीं था मेरे साथ क्या हुआ है। डॉक्टर मेरी आंखें सिल रहे थे, जबकि मैं होश में ही थी। मैं दो महीने तक हॉस्पिटल में थी। जब घर आकर मैंने अपना चेहरा देखा तो मुझे लगा की मेरी जिंदगी खत्म हो चुकी है।'

लक्ष्मी ने पिछले साल साल 22 अप्रैल को लिखा था, 'आज मेरे अटैक को 14 साल हो गए हैं। इन 14 सालों में बहुत कुछ बदला है, बहुत सारी चीजें अच्छी हुईं, बहुत सारी चीज़ें बुरी जिसके बारे में सोच कर भी डर लगता है। लोगों को लगता है एसिड अटैक हुआ है, यह सबसे बड़ा दुख है, सबको यही दिखता है। जब कोई भी अटैक होता है ना सिर्फ हमारे पूरे परिवार की जिंदगी बदल जाती है बल्कि अचानक से एक नया मोड़ आ जाता है क्योंकि वह इंसान एक बार अटैक करता है, सोसाइटी बार-बार अटैक करती है। जीने नहीं देती, जिससे जिसके ऊपर क्राइम हुआ है वह या परिवार का कोई व्यक्ति आत्महत्या कर

लेता है।'

दीपिका दो अपनी फिल्म 'छपाक' के प्रचार में लगी हुई है और इसी कड़ी में वो मंगलवार देर शाम वह जेएनयू में आंदोलनकारी छात्रों के बीच पहुंची थीं। वहां वह जेएनयू में हिंसा के खिलाफ आंदलोन पर बैठे छात्रों से मिलीं और 10 मिनट तक रुकने के बाद निकल गईं। इस दौरान उन्होंने कोई बयान नहीं दिया। दीपिका जब जेएनयू में थीं तो सीपीआई नेता और जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार भी वहीं मौजूद थे। दीपिका ने जेएनयू से निकलने से पहले वाम छात्र संगठनों के कुछ सदस्यों से बात भी की। इसी बात को लेकर वह सोशल मीडिया पर कुछ लोगों के निशाने पर आ गईं। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि अगर उन्हें हिंसा के खिलाफ समर्थन देना था तो फिर हिंसा के शिकार एबीवीपी के छात्रों से भी मिलना चाहिए था।